ANDHRA PRADESH STATE COUNCIL OF HIGHER EDUCATION

Programme: GENERAL HINDI

(1 & 2 Semesters)

w.e.f. AY 2023-24

COURSE STRUCTURE

Semester	Course	Title of the Course	No. of Hrs /Week	No. of Credits
Semester-I	1	Hindi Gadya Sahitya	4	3
Semester-II	2	Hindi Padya Sahitya	4	3

GENERAL HINDI

SEMESTER. -I

हिन्दी गद्य साहित्य

Theory. **Credits - 3.** **4hrs/week**

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१. विद्यार्थियों को गद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।

२. हिन्दी भाषा के विशिष्ट साहित्यकारों का परिचय उनकी रचनाओं की विशिष्टता का ज्ञान प्राप्त कराना।

३. हिन्दी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास से परिचित कराना।

४. हिन्दी व्याकरण की सभी पहलुओं को विशद रूप अध्ययन कराना, क्योंकि व्याकरण ही पर विद्यार्थी भाषा की नींव होती है।

५. विद्यार्थियों को पत्र लेखन के आवश्यक नियमों से अवगत कराना, शिष्ट भाषा का प्रयोग एवं प्रभावी लेखन विधि से परिचित कराना।

Unit-I

१.श्रद्धा-भक्ति - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

२.साहित्य की महत्ता - महावीर प्रसाद द्विवेदी

३.ब दा - महादेवी वर्मा

Unit-II

१.मुक्तिधन - प्रेमचन्द

२.पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

३.और वह पढ़ गई - डॉ कुसुम वियोगी.

Unit -III

१.हिन्दी साहित्य का इतिहास -

सामान्य परिचय

२.काल विभाजन

Unit - IV

१.कार्यालयीन शब्दावली (अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी)

२.लिंग

३.वचन

४.काल

५.कारक

Unit - V पत्र लेखन

१. व्यक्तिगत पत्र

२. आवेदन पत्र

(छुट्टी पत्र, पिता जी के नाम पत्र, मित्र के नाम पत्र, प्राध्यापक पद के लिए आवेदन पत्र, अनुवादक पद के लिए आवेदन पत्र)

परिणाम: पाठ्यक्रम के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१. निबंध, रेखाचित्र, कहानी जैसी गद्य की विभिन्न विधाओं को समझ पाना एवं विश्लेषण कर पाना।

२.सच्चे मित्र के गुणों से अवगत हो पाना,जो की स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है।

३.पठित रचनाओं में दर्शित सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक आदि संदर्भों का मूल्यांकन कर पाना।

४.धार्मिक सहिष्णुता,देश प्रेम आदि उत्तम भावनाओं को जागृत कर पाना।

५. हिन्दी साहित्य के इतिहास के संक्षिप्त अध्ययन से विविध काल एवं तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होना।

६. व्याकरणिक इकाइयों की समझ एवं प्रभावपूर्ण पत्र लेखन का ज्ञान अर्जित कर सकना।

SEMESTER - II

हिन्दी पद्य साहित्य

Theory. **Credits - 3** **4hrs/week**

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१.कबीर और तुलसी के दोहों में व्यक्त सामाजिक संदेश जो आज के समय में भी प्रासंगिक हैं, विद्यार्थियों को इनसे परिचित कराना। सूर के पदों की लयात्मकता से परिचित हो पाना।

२. आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों का योगदान एवं विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में उनके योगदान का आकलन कर सकेंगे।

३.निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।

४. प्रयोजनमूलक हिन्दी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पत्रों से अवगत हो पाना।

५.अनुवाद और संक्षेपण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं पर निपुण तथा कुशल हो सकेंगे।

Unit - I

प्राचीन कविता

१. कबीर दास - ५ दोहे

२. सूरदास - बाल वर्णन

३. तुलसीदास - ५ दोहे

Unit - II

आधुनिक कविता

१. मातृभाषा - भारतेंदु हरिश्चंद्र - ५ दोहे

२. भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

३. मादा भ्रूण - रजनी तिलक

Unit - III

सामान्य निबन्ध

१. विद्यार्थी और अनुशासन

२. विश्व भाषा के रूप में हिंदी

३. पयाि‌ि‌िण प्रदषण

Unit -IV

प्रयोजनमूलक हिन्दी - परिचय

सरकारी पत्र- परिभाषा एवं पत्र का नमूना

१.परिपत्र

२.ज्ञापन

३.अधिसूचना

Unit - V

१. अनुवाद - अंग्रेजी से हिन्दी (४ - ५ पंक्तियाँ) तेलुगू से हिन्दी (४ - ५ पंक्तियाँ)

२. संक्षेपण

परिणाम: द्वितीय सत्र के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१.प्राचीन कविता के अध्ययन से …ों में सामाजिक चेतना जागृत होगी, काव्यगत विशेषताओं से विद्यार्थी परिचित होंगे।

२.आधुनिक काल की विविध प्रक्रियाओं का आकलन तथा विश्लेषण।

३.विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि।

४.प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में अनुवादक पद के लिए अपने आप को तैयार कर पायेंगे।

५.अनुवाद अभ्यास जो साहित्यिक एवं अनुप्रयुक्त माध्यम से किया जाता है, यह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। संक्षेपण कला के अभ्यास से भाषाई निपुणता प्राप्त कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ

१. गद्य संदोह - डॉ …

२.कथालोक- डॉ घनश्याम

३.काव्य दीप- श्री राधाकृष्ण मूर्ति

४. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ वासुदेव नंदन प्रसाद